नदी जोड़ो परियोजना

चर्चा में क्यों?

हाल ही में **मध्य प्रदेश और राजस्थान** के मुख्यमंत्रियों ने **भोपाल में** 72,000 करोड़ रुपए की **पार्वती-कालीसिंध-चंबल नदी जोड़ो परियोजना** के कार्यान्वयन हेतु **समझौता ज्ञापन (MoU)** पर हस्ताक्षर किये।

- इस परियोजना का उद्देश्य **दक्षिणी राजस्थान की नदियों** जैसे **चंबल और उसकी सहायक नदियों, जैसे- कुन्नू, पार्वती, कालीसिंध** में बरसात के मौसम में उपलब्ध अतिरिक्त जल का संचयन करना तथा इस जल का उपयोग राज्य के दक्षिण-पूर्वी ज़िलों में करना है, जहाँ पीने व सिंचाई के लिये जल की कमी है।

मुख्य बिंदु:

- इस परियोजना से **राजस्थान के 13 ज़िलों तथा मध्य प्रदेश के मालवा और चंबल क्षेत्रों को जल मिलेगा।**
    - इससे **दोनों राज्यों में कम-से-कम 2.8 लाख हेक्टेयर भूमि की सिंचाई में सहायता मिलेगी,** जिसमें ग्रामीण तालाबों को भी सहायता मिलेगी।
- नदी जोड़ो परियोजना से दोनों राज्यों को लाभ मिलेगा, जिससे राज्यों के बीच संबंध भी मज़बूत होंगे।
- **राजस्थान के खाटू श्याम मंदिर** से मध्य प्रदेश के **उज्जैन के महाकाल शिव मंदिर** तक **कॉरिडोर बनाने का भी प्रयास किया जाएगा।**

चंबल नदी

- इसका उद्गम स्थल **विंध्य पर्वत** (इंदौर, मध्य प्रदेश) के उत्तरी ढलान पर **स्थित सिंगार चौरी (Singar Chouri) चोटी है।** यहाँ से यह लगभग 346 किमी. तक मध्य प्रदेश में उत्तर दिशा की ओर बहती हुई राजस्थान में प्रवेश करती है। राजस्थान में इस नदी की **कुल लंबाई 225 किमी. है जो इस राज्य के उत्तर-पूर्व दिशा में बहती है।**
- **उत्तर प्रदेश** में इस नदी की कुल लंबाई लगभग 32 किमी. है जो इटावा में **यमुना नदी** में मिल जाती है।
- यह एक वर्षा आधारित नदी है, जिसका **बेसिन विंध्य पर्वत शृंखलाओं और अरावली से घिरा हुआ है।** चंबल तथा उसकी सहायक नदियाँ उत्तर-पश्चिमी मध्य प्रदेश के मालवा क्षेत्र में बहती हैं।
- राजस्थान में **हाडौती/हाड़ौती का पठार** (Hadauti Plateau) चंबल नदी के ऊपरी जलग्रहण क्षेत्र **मेवाड़ मैदान** के दक्षिण-पूर्व में स्थित है।
- **सहायक नदियाँ:** बनास, काली सिंध, **क्षिप्रा, पार्वती** आदि।
- **चंबल नदी की मुख्य विद्युत परियोजनाएँ/बाँध: गांधी सागर बाँध, राणा प्रताप सागर बाँध, जवाहर सागर बाँध और कोटा बैराज।**
- **राष्ट्रीय चंबल अभयारण्य** राजस्थान, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के त्रि-जंक्शन पर चंबल नदी के किनारे स्थित है।
- यह स्थान गंभीर रूप से लुप्तप्राय **घड़ियाल, रेड क्राउन रूफ्ड टर्टल और लुप्तप्राय गंगा नदी डॉल्फिन** के लिये जाना जाता है।

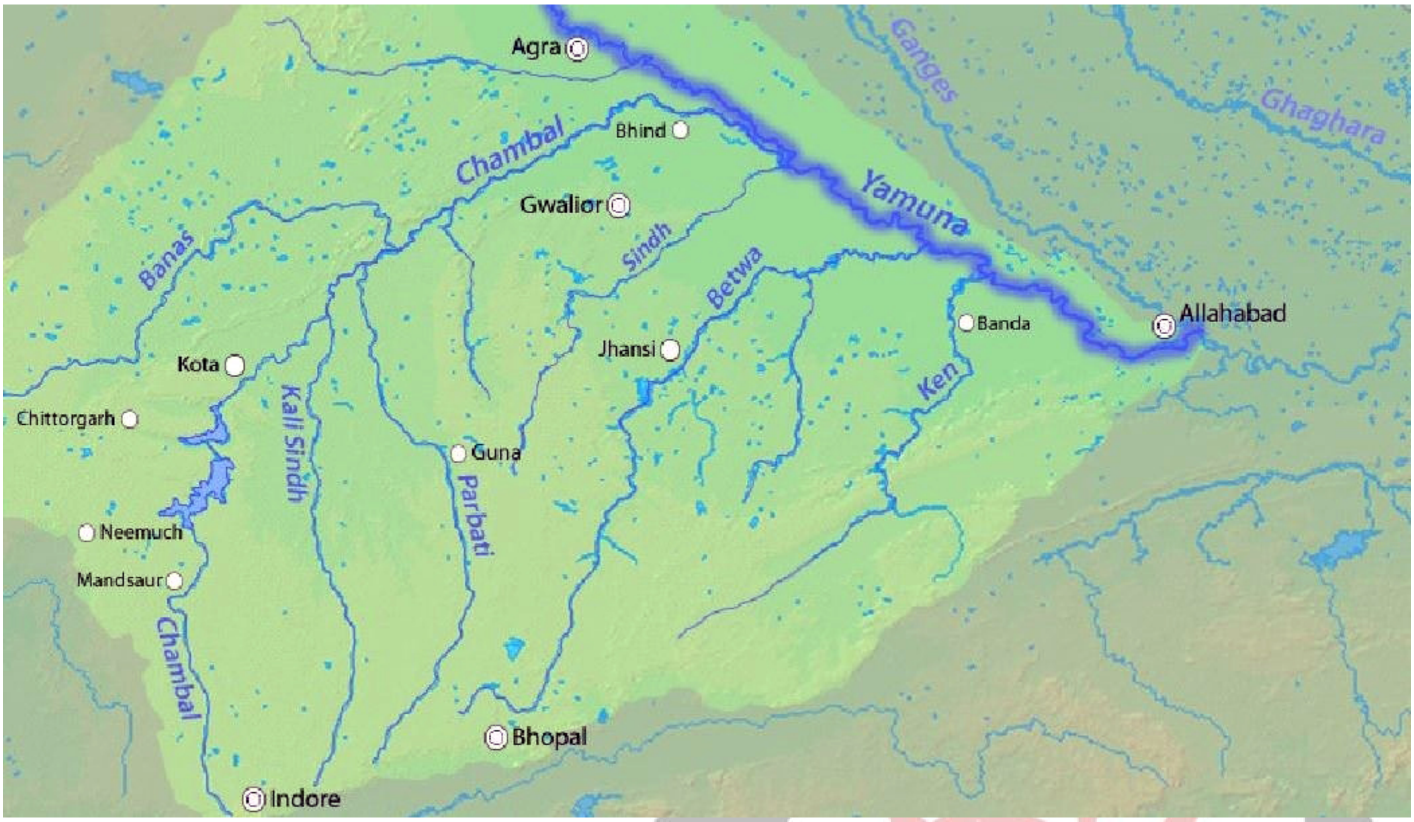

//

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/river-linking-project-2